पाठ – हम पंछी उन्मुक्त गगन के

HOTS

1. पक्षियों को पिंजरे में बंद करने से केवल उनकी आजादी का हनन ही नहीं होता, अपितु पर्यावरण भी प्रभावित होता है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर – पक्षियों को पिंजरे में बंद करके उनकी आजादी का हनन होता ही है क्योंकि उनकी प्रकृति है 'उड़ना'। पिंजरे में बंद करके हम उन्हें पराधीन बना लेते हैं। जिससे उनकी आजादी तो समाप्त हो ही जाती है साथ ही पर्यावरण भी प्रभावित होता है क्योंकि पर्यावरण को संतुलित करने में भी पक्षियों का सहयोग रहता है। पक्षी आहार श्रृंखला को भी नियमित करते हैं।

2. आपके अनुसार अपनी किन इच्छाओं को पूरा करने के लिए पक्षी पिंजरे से बाहर निकलने के लिए व्याकुल रहते हैं?

उत्तर – मुझे ऐसा लगता है कि पक्षी नदी झरनों का बहता जल पीने, तेज गति से उड़ान भरने, नीले आकाश की सीमा तक उड़ने, पेड़ की फुनगी पर झूलने, कड़वी निबौरी खाने और अनार रूपी दाने चुगने आदि के लिए बाहर निकलने को व्याकुल रहते हैं।